University in News on 01 April 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में बनेगा पांच मंजिला लेक्चर थिएटर

पीएम-उषा योजना के तहत मिले अनुदान से होगा निर्माण

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में क्लासरूम की कमी दूर होने की उम्मीद है। लविवि प्रशासन को पीएम-उषा योजना के तहत केंद्र सरकार से मिले सौ करोड़ रुपये से परिसर में पांच मंजिला लेक्चर थिएटर का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस पांच मंजिला भवन का क्षेत्रफल 30 हजार वर्गफीट होगा। यह भवन ग्राउंड, कैशियर भवन और छात्रावास के बीच स्थित होगा। इससे विद्यार्थियों को हर जगह जाने में आसानी होगी। इस भवन में 25 कमरे होंगे। इसकी क्षमता 100 विद्यार्थियों की होगी।

इस समय कई विभागों में विद्यार्थियों की कक्षाएं कराने के लिए कमरों की कमी है। यह भवन तैयार होने से उनकी समस्या दूर होगी। नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद विद्यार्थियों को किसी भी स्ट्रीम के विषय लेने की आजादी है। इसकी वजह से उनको क्लास करने के लिए अलग-अलग विभाग में जाना होता है। इस भवन के निर्माण के बाद उनकी यह समस्या हल हो जाएगी।

कला प्रांगण और लाल बारादरी के बहुरेंगे दिन

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित लाल बारादरी और कला प्रांगण के दिन भी बहुरने वाले हैं। लविवि प्रशासन ने पीएम ऊषा योजना के तहत मिले सौ करोड़ रुपये में से इनके जीर्णोद्धार की योजना तैयार की है। इनमें लाल बारादरी जहां दो सौ साल पुरानी है तो कला प्रांगण सौ साल पुराना है। लविवि को पीएम-ऊषा योजना के तहत सरकार से सौ करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं। इसमें से पांच करोड़ रुपये लाल बारादरी को आवंटित किए जाएंगे। कला प्रांगण का भवन वर्ष 1917 का बना हुआ है। इसकी छत जर्जर हो चुकी है। बारिश में कई जगह इसमें पानी टपकता है। इसलिए कला प्रांगण भवन की मरम्मत की बेहद जरूरत है।

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में विवि को मिला 33वां स्थान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को यूनिरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2024 में 33वां स्थान मिला है। पिछले साल विवि ने इस रैंकिंग में देशभर में 46वां स्थान हासिल किया था। राज्य वित्त पोषित गैर-तकनीकी विश्वविद्यालयों में लविवि ने प्रदेश में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

पिछले साल यूनिरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 46वें स्थान पर था लविवि

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लविवि ने 887 भारतीय संस्थानों में 33वां स्थान प्राप्त किया है, जिसमें आईआईटी, एनआईटी, केंद्रीय विवि और निजी विश्वविद्यालय शामिल हैं। 2005 में स्थापित यूनिरैंक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा पोर्टल और सर्च इंजन है जो 200 देशों में 13,900 से अधिक आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की समीक्षा और रैंकिंग करता है। (माई सिटी रिपोर्टर)

23 देशों के 34 लेखा परीक्षक आज करेंगे भ्रमण

लखनऊ। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स एंड ऑडिट (आईसीआईएसए) की ओर से 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की एक टीम सोमवार को लखनऊ विवि का भ्रमण करेगी। विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि आईसीआईएसए भारत का प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है जो मुख्य रूप से इन्फार्मेशन ऑडिट और डाटा एनालिटिक्स से संबंधित क्षेत्रों में दुनिया भर में ऑडिटरों की क्षमता बढ़ाने का काम करता है। लविवि की ओर से वित्तीय, प्रशासनिक और लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं पर एक प्रजेंटेशन दिया जाएगा। इस दौरान टीम को लविवि के भवनों का भ्रमण भी कराया जाएगा। इस टीम में भारत, रूस, बांग्लादेश, भूटान, ब्रुनेई दारुसलम, बुरुंडी, चिली, जॉर्जिया, गुयाना, लाओस, लातविया, मलावी, मालदीव, मॉरीशस, मोरोक्को, नेपाल, नाइजर, नाइजीरिया, पेरू, समोआ, तंजानिया, ट्यूनीशिया और जांबिया के प्रतिनिधि शामिल हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 2

AKTU 31वें, LU 33वें स्थान पर

■ एनबीटी सं., लखनऊः 'यूनिरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2024' में लखनऊ के दो विश्वविद्यालयों ने टॉप-100 में जगह बनाई है। एकेटीयू की 31वीं और एलयू की 33वीं रैंक है। पीजीआई की 198, बीबीएयू की 199, केजीएमयू की 201, पुनर्वास विवि की 324, आरएमएनएलयू की 509 और भाषा विवि की 594वीं रैंक है। यूनिरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2023 में एलयू को भारतीय संस्थानों में 46वां स्थान मिला था। एलयू वीसी प्रो. आलोक राय का कहना है कि एलयू ने हर एक मानक पर बेहतर प्रदर्शन किया है।

बता दें कि 'यूनीरैंक' अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा पोर्टल और सर्च इंजन है, जो वर्ष 2005 से शैक्षणिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों की विश्व स्तरीय रैंकिंग कर रहा है। यूनिरैंक 200 देशों में 13,900 से अधिक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की अलग-अलग मानकों पर समीक्षा और रैंकिंग पेश करता है। इस बार भारत के 887 शिक्षण संस्थानों को रैंकिंग जारी हुई।

23 देशों के लेखा परीक्षकों की टीम आज एलयू में

159वां अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण निष्पादन लेखा परीक्षा कार्यक्रम

LUCKNOW (31 MARCH): लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में एक अप्रैल को 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की टीम का दौरा है. यह टीम इंटरनेशनल सेंटर फार इंफार्मेशन सिस्टम एंड आडिट (आइसीआइएसए) की ओर से प्रदर्शन आडिट पर आयोजित हो रहे 159वें अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण निष्पादन लेखा परीक्षा कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आ रही है. यह भारत का प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है, जो इनफार्मेशन सिस्टम आडिट और डेटा एनालिटिक्स से संबंधित क्षेत्रों में दुनिया भर में आडिटरों की क्षमता निर्माण में काम करता है.

इन देशों के प्रतिनिधि

इस टीम में बांग्लादेश, भूटान, ब्रूनेई, बुरुंडी, चिली, जार्जिया, गुयाना, लाओस, लातविया, मलावी, मालदीव, मारीशस, मोरक्को, नेपाल, नाइजर, नाइजीरिया, पेरू, रूस, समोआ, तंजानिया, ट्यूनीशिया और जांबिया के प्रतिनिधि सम्मिलित रहेंगे.

i-NEXT PAGE 4

एलयू के नाम एक और उपलब्धि

यूनि वर्ल्ड रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय देश में 33वें नंबर पर

LUCKNOW (31 MARCH): लखनऊ विश्वविद्यालय ने रैंकिंग की दौड़ में एक और बेहतरीन छलांग लगाई है. यूनि वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 13 अंक आगे बढ़ते हुए देश के निजी और सरकारी विश्वविद्यालयों में 33वें स्थान पर आया है. पिछले वर्ष विश्वविद्यालय 46वें स्थान पर था. उच्च शैक्षणिक संस्थानों की वैश्विक रैंकिंग में यह शीर्ष संस्थानों में शामिल हो गया है.

देश के कई प्रतिष्ठित संस्थान शामिल

लखनऊ विश्वविद्यालय ने 887 भारतीय संस्थानों में 33वां स्थान प्राप्त किया है. इसमें आइआइटी, एनआइटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय और निजी विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल रहे. राज्य वित्त पोषित गैर-तकनीकी विश्वविद्यालयों में लखनऊ विश्वविद्यालय ने राज्य में शीर्ष स्थान पर है. 2005 में स्थापित, यूनिरैंक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा पोर्टल और खोज इंजन है, जो 200 देशों में 13,900 से अधिक आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और कालेजों की समीक्षा और रैंकिंग जारी करता है. यह रैंकिंग एक एल्गोरिदम पर आधारित है.

काबिलियत साबित की

इसमें न्यूनतम ट्रस्ट फ्लो 55 प्रतिशत, सिमिलर वेब ग्लोबल रैंक 35 प्रतिशत, मोजेज डोमेन प्राधिकरण पांच प्रतिशत, मैजेस्टिक ट्रस्ट फ्लो पांच प्रतिशत रहा है. इस उपलब्धि पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि वैश्विक शैक्षणिक रैंकिंग में निरंतर वृद्धि ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को साबित किया है.

यूनिरैंक में एकेटीयू 31वें नंबर पर

यूनिरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में एकेटीयू देश के विश्वविद्यालयों में 31वें नंबर पर है. विश्वविद्यालय के डेटा के बजाय यह स्वतंत्र वेब इंटेलीजेंस स्रोत पर आधारित यह रैंकिंग जारी की गई है. कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि इस तरह की रैंकिंग से संस्थान की पहचान बनती है. इसका असर छात्रों के प्रवेश और प्लेसमेंट पर पड़ता है. विश्वविद्यालय आगे अन्य संस्थागत रैंकिंग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार है.

JAGRAN CITY PAGE III

यूनि वर्ल्ड रैंकिंग में देश में लखनऊ विश्वविद्यालय 33वें नंबर पर

जागरण संवाददाता लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने रैंकिंग की दौड़ में एक और छलांग लगाई है। यूनि वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 13 अंक आगे बढ़ते हुए देश के निजी और सरकारी विश्वविद्यालयों में 33वें स्थान पर आया है। पिछले वर्ष विश्वविद्यालय 46वें स्थान पर था। लखनऊ विश्वविद्यालय ने 887 भारतीय संस्थानों में 33वां स्थान प्राप्त किया है। इसमें आइआइटी, एनआइटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय और निजी विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल रहे। राज्य वित्त पोषित गैर-तकनीकी विश्वविद्यालयों में लखनऊ विश्वविद्यालय ने राज्य में शीर्ष स्थान पर है। 2005 में स्थापित, यूनिरैंक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा पोर्टल और खोज इंजन है, जो 200 देशों में 13,900 से अधिक आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और कालेजों की समीक्षा और रैंकिंग जारी करता है। यह रैंकिंग एक एल्गोरिदम पर आधारित है। इसमें न्यूनतम ट्रस्ट फ्लो 55 प्रतिशत, सिमिलर वेब ग्लोबल रैंक 35 प्रतिशत, मोजेज डोमेन प्राधिकरण पांच प्रतिशत, मैजेस्टिक ट्रस्ट फ्लो पांच प्रतिशत रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि वैश्विक शैक्षणिक रैंकिंग में निरंतर वृद्धि ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को साबित किया है।

23 देशों के लेखा परीक्षकों की टीम का आज लवि में दौरा: लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में एक अप्रैल को 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की टीम का दौरा है। यह टीम इंटरनेशनल सेंटर फार इंफार्मेशन सिस्टम एंड आडिट (आइसीआइएसए) की ओर से प्रदर्शन आडिट पर आयोजित हो रहे 159वें अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण निष्पादन लेखा परीक्षा कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आ रही है।

यह भारत का प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है, जो इनफार्मेशन सिस्टम आडिट और डेटा एनालिटिक्स से संबंधित क्षेत्रों में दुनिया भर में आडिटरों की क्षमता निर्माण में काम करता है। इस टीम में बांग्लादेश, भूटान, ब्रूनेई, बुरुंडी, चिली, जार्जिया, गुयाना, लाओस, लातविया, मलावी, मालदीव, मारीशस, मोरक्को, नेपाल, नाइजर, नाइजीरिया, पेरू, रूस, समोआ, तंजानिया, ट्यूनीशिया और जांबिया के प्रतिनिधि सम्मिलित रहेंगे।

एकेटीयू 31वें नंबर पर

यूनिरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में एकेटीयू देश के विश्वविद्यालयों में 31वें नंबर पर है। विश्वविद्यालय के डेटा के बजाय यह स्वतंत्र वेब इंटेलीजेंस स्रोत पर आधारित यह रैंकिंग जारी की गई है। कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि इस तरह की रैंकिंग से संस्थान की पहचान बनती है। उच्च शैक्षणिक संस्थानों की वैश्विक रैंकिंग में यह शीर्ष संस्थानों में शामिल हो गया है। इसका असर छात्रों के प्रवेश और प्लेसमेंट पर पड़ता है। विश्वविद्यालय आगे अन्य संस्थागत रैंकिंग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार है।

PIONEER PAGE 3

23 देशों के ऑडीटरों की टीम आज करेगी एलयू का दौरा

लखनऊ। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंफॉर्मेशन सिस्टम्स एंड ऑडिट (आईसीआईएसए) द्वारा प्रदर्शन ऑडिट पर आयोजित किए जा रहे 159वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण निष्पादन लेखा परीक्षा कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की एक टीम सोमवार यानी पहली अप्रैल को लविवि का दौरा करेगी। आईसीआईएसए, एसएआई (सुप्रीम ऑडिट इंस्टीट्यूशन) भारत का प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है जो मुख्य रूप से आईएस ऑडिट और डेटा एनालिटिक्स से संबंधित क्षेत्रों में दुनिया भर में ऑडिटरों की क्षमता निर्माण में काम करता है। आईसीआईएसए ऑडिट के मानक को बढ़ाने और सार्वजनिक ऑडिट संस्थानों की प्रभावशीलता बढ़ाने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समर्पित है और इसने 149 विभिन्न देशों के 5000 से अधिक ऑडिटरों को प्रशिक्षित किया है। 23 देशों के 34 लेखा परीक्षक विवि द्वारा अपनाई जा रही शैक्षणिक उत्कृष्टता की यात्रा और विवि की वर्तमान शैक्षणिक स्थिति का मार्ग प्रशस्त करने वाली विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए एवं इसके ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थलों के भ्रमण हेतु लखनऊ विवि का दौरा करेंगे। विवि की उपलब्धियों और उन प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिनके कारण वर्तमान स्थिति बनी है। प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय द्वारा की गई वित्तीय, प्रशासनिक और लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का विवरण भी शामिल होगा। प्रेजेंटेशन के बाद अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ विवि के अधिकारियों की बातचीत होगी। प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग और पर्यटन अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव टीम को ऐतिहासिक भवनों का दौरा करवाएंगे और उसके बारे में जानकारी देंगे। टीम पुरातत्व संग्रहालय, मानव विज्ञान संग्रहालय, टैगोर पुस्तकालय संग्रहालय, इसके चित्रों, मूर्तियों और दुर्लभ पांडुलिपियों के साथ, भूविज्ञान संग्रहालय और प्राणीशास्त्र विभाग में प्रोफेसर एस सी बॉंध संग्रहालय का दौरा करेगी।

यूनिरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में एलयू 33वें स्थान पर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूनिरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 नामक उच्च शैक्षणिक संस्थानों की वैश्विक रैंकिंग में लखनऊ विवि एक बार फिर शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय ने 887 भारतीय संस्थानों में 33 वां स्थान प्राप्त किया है। इस रैंकिंग में आईआईटी, एनआईटी, केंद्रीय विवि और निजी विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं।

2023 में, लखनऊ विश्वविद्यालय को भारतीय संस्थानों में 46वां स्थान दिया गया था। राज्य वित्त पोषित गैर-तकनीकी विश्वविद्यालयों में, लखनऊ विश्वविद्यालय ने राज्य में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वर्ष 2005 में स्थापित, यूनीरैंक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा पोर्टल और खोज इंजन है जो 200 देशों में 13,900 से अधिक आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की समीक्षा और रैंकिंग पेश करता है। यूनीरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग एक एल्गोरिदम पर आधारित है जिसमें 3 से निकाले गए 4 निष्पक्ष और स्वतंत्र वेब मेट्रिक्स शामिल हैं। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि विभिन्न वैश्विक शैक्षणिक रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय की निरंतर वृद्धि ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को साबित किया है।

HINDUSTAN PAGE 7

यूनिरैंक में एलयू की 33वीं रैंक, 10 अंकों की छलांग

रैंकिंग

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। यूनिरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 जारी कर दी गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने रैंकिंग में छलांग लगाते हुए इस वर्ष 33वां स्थान मिला हैं। वहीं वर्ष 2023 की रैंकिंग में एलयू को 46वां स्थान मिला था। यूनिरैंक की उच्च शैक्षणिक संस्थानों की वैश्विक रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय एक बार फिर शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में शामिल हो गया है। इस रैंकिंग में आईआईटी, एनआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय और निजी विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। राज्य वित्त पोषित गैर-तकनीकी विश्वविद्यालयों में लखनऊ विश्वविद्यालय ने राज्य में शीर्ष स्थान हासिल किया है। रैंकिंग में 887 भारतीय संस्थान शामिल हैं।

क्या है रैंकिंग का आधार

- न्यूनतम ट्रस्ट फ्लो (55%) के साथ मैजेस्टिक रेफरिंग डोमेन
- सिमिलरवेब ग्लोबल रैंक (35%)
- मोजेजे डोमेन प्राधिकरण (5%)
- मैजेस्टिक ट्रस्ट फ्लो (5%)।

887 भारतीय संस्थान रैंकिंग में शामिल हुए थे

क्या है यूनिरैंक

2005 में स्थापित, यूनीरैंक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा पोर्टल और खोज इंजन है जो 200 देशों में 13,900 से अधिक आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की समीक्षा और रैंकिंग तैयार करता है। यूनीरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग एक एल्गोरिदम पर आधारित है।

रैंकिंग में लखनऊ के 14 संस्थान शामिल

यूनिरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में एलयू समेत लखनऊ के 14 संस्थान शामिल हैं। जिनमें एकेटीयू को 31 वीं रैंक मिली है। वहीं एसजीपीजीआई को 198वीं, बीबीएयू को 199, केजीएमयू को 201, भारतीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी संस्थान को 250 वीं, इंटीग्रल विवि को 306, डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय को 324, महर्षि विश्वविद्यालय को 411 बीबीडी को 482, डा. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय को 509, भाषा विश्वविद्यालय को 594, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय को 740 एवं युग विश्वविद्यालय को 750वीं रैंक मिली है।

"विभिन्न वैश्विक शैक्षणिक रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय की निरंतर वृद्धि ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को साबित किया है। हमारा प्रयास निरंतर शिक्षण को बेहतर करना है।"

प्रो. आलोक कुमार राय
कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

एलयू में आज 23 देशों की टीम आएगी

लखनऊ। एलयू का दौरा सोमवार को 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की टीम करेगी। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंफॉर्मेशन सिस्टम्स एंड ऑडिट (आईसीआईएसए) द्वारा प्रदर्शन ऑडिट पर आयोजित किए जा रहे 159वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण निष्पादन लेखा परीक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत यह दौरा होगा।

इस यात्रा के दौरान विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और उन प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रस्तुति दी जाएगी। प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय द्वारा की गई वित्तीय, प्रशासनिक और लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का विवरण भी शामिल होगा। प्रेजेंटेशन के बाद अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ विश्वविद्यालय के अधिकारियों की बातचीत होगी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

विदेशी लेखा परीक्षक परखेंगे बारीकियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ 34 देशों के लेखा परीक्षक लविवि में आयोजित कार्यक्रम में होंगे शामिल

अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण निष्पादन लेखा परीक्षा कार्यक्रम का आयोजन सोमवार से लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित होने जा रहा है। इसको लेकर 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की एक टीम विवि की बारीकियों को परखेगी। कुछ शोध और तार्किक विषयों पर भी चर्चा होनी तय की गई है।

लखनऊ विवि में सोमवार को आयोजित होने वाले इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंफॉर्मेशन सिस्टम्स एण्ड ऑडिट (आईसीआईएसए) पर आयोजित कार्यक्रम में लेखा परीक्षकों की टीम शामिल होगी। 23 देशों के 34 लेखा परीक्षक मुख्य रूप से ऑडिट और डेटा एनालिटिक्स से संबंधित क्षेत्रों में क्षमता निर्माण को लेकर चर्चा करेंगे। ऑडिट के मानक को बढ़ाने और सार्वजनिक ऑडिट संस्थानों की प्रभावशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से विदेशियों की इस यात्रा के दौरान उपलब्धियों और प्रक्रियाओं का भी प्रदर्शन होगा। प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय द्वारा की गई वित्तीय, प्रशासनिक और लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का विवरण भी शामिल होगा।

बांग्लादेश, भूटान, ब्रूनेई दारुसलम, बुरुंडी, चिली, जॉर्जिया, गुयाना, (भारत), लाओस, लातविया, मलावी, मालदीव, मॉरीशस, मोरोक्को, नेपाल, नाइजर, नाइजीरिया, पेरू, रूस, समोआ, तंजानिया, ट्यूनीशिया और जांबिया के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं।

ऐतिहासिक भवनों का भी होगा दौरा

प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग और पर्यटन अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव का कहना है कि विदेशी विशेषज्ञों को ऑडिट की स्थानीय स्तर पर जानकारियां साझा कराने के बाद ऐतिहासिक भवनों का दौरा कराया जाएगा। टीम पुरातत्व संग्रहालय, मानव विज्ञान संग्रहालय, टैगोर पुस्तकालय संग्रहालय का दौरा करेगी।

कला | धातुओं के सहारे छात्रों को दिया गया है प्रशिक्षण

लखनऊ विवि में परंपराओं को गढ़ रहे हुनरमंद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : शोध और पाठ्यक्रमों से डंका बजाने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय अब परंपराओं को गढ़ने का भी ककहरा पढ़ा रहा है। मूर्ति कला विशेषज्ञों ने डोगरा विधि का सहारा लेकर इसे छात्रों तक पहुंचाया है। धातुओं के सहारे ढली मूर्तियां देश - दुनिया में हाल- फिलहाल चर्चा में हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मूर्तिकला विभाग विषय के विशेषज्ञ अजय कुमार बताते हैं कि सदियों पुरानी डोगरा विधि प्राचीन सभ्यता को जोड़े हुए है। ढोकरा, घड़वा कला सहित अन्य नामों से जानी जाने वाली इस तकनीकी से धातु की ढलाई की जाती है। चार हजार वर्ष पूर्व अपने इतिहास को समेटे इस विधि के सहारे छात्र प्रशिक्षित किये गए हैं। कार्यशाला के माध्यम से छात्रों द्वारा मूर्तियों और कलाकृतियों को तैयार किया गया है।

छात्रों द्वारा विशेष धातुओं से तैयार किए गए मुखौटे व अन्य सामान।

▸▸ विवि में 28 वर्षों के बाद कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ विश्वविद्यालय में 28 वर्षों के बाद कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रो. लालजीत बताते हैं कि इस क्षेत्र की भी तेजी से मांग बढ़ रही है। विदेशों में भी इस कला का विशेष महत्व है। ऐसे में कार्यशाला बीते दिनों आयोजित की गई। ये आगे भी आयोजित की जाती रहेंगी।

▸▸ 1900 डिग्री तापमान पर तैयार हुई मूर्तियां

कार्यशाला के निदेशक प्रोफेसर लालजीत अहीर बताते हैं कि मूर्तियों को तैयार करने में 1900 डिग्री तापमान का सहारा लिया गया। इसके निर्माण में तांबा, एल्यूमिनियम, पीतल आदि का प्रयोग किया गया है। मूर्तियों की विशेषता यह है कि ये लंबे समय तक एक जैसी बनी रहेंगी। इनकी देश ही नहीं विदेशों में भी मांग है।

जल्द होगा प्रदर्शनी का आयोजन : लविवि छात्रों द्वारा तैयार सामानों की प्रदर्शनी का आयोजन जल्द करने जा रहा है। संकायाध्यक्ष डॉ. रतन कुमार बताते हैं कि प्रशिक्षण प्राप्त छात्र नए छात्रों को प्रोत्साहित करने का कार्य प्रदर्शनी के माध्यम से करेंगे। प्रदर्शन में छात्रों द्वारा तैयार किये गए कमल, मछली, ऊंट, नाचते हुए मोर, आदिवासी मुखौटा, कछुए की गाड़ी, हाथी आदि शामिल किये जाएंगे।

यूनिरैंक रैंकिंग में लखनऊ विवि का 33 वां स्थान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ रैंकिंग में 200 देशों के 13 हजार से अधिक विवि हैं शामिल

अमृत विचार : यूनिरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में शामिल हो गया है। इसे 887 भारतीय संस्थानों में 33 वां स्थान प्राप्त हुआ है। रैंकिंग में आईआईटी, एनआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय और निजी विश्वविद्यालय जैसे संस्थान शामिल हैं। इससे पूर्व लखनऊ विवि को 46 वां स्थान प्राप्त था।

लखनऊ विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव बताते हैं कि ये यूनीरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग व्यवस्था 2005 में स्थापित हुई थी। इसके अंतर्गत 200 देशों के 13,900 से अधिक आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की समीक्षा की जाती रही है। इसमें 3 से निकाले गए 4 निष्पक्ष और स्वतंत्र वेब मेट्रिक्स शामिल हैं।

विभिन्न वेब इंटेलिजेंस स्रोत : न्यूनतम ट्रस्ट फ्लो 55 फीसद के साथ मैजेस्टिक रेफरिंग डोमेन शामिल हैं। इसके अलावा सिमिलरवेब ग्लोबल रैंक 35 प्रतिशत, मोजेज डोमेन प्राधिकरण 5 फीसद और मैजेस्टिक ट्रस्ट फ्लो 5 फीसद हैं।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की टीम आज करेगी लविवि का दौरा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंफॉर्मेशन सिस्टम्स एंड ऑडिट (आईसीआईएसए) द्वारा प्रदर्शन ऑडिट पर आयोजित किए जा रहे 159वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण निष्पादन लेखा परीक्षा कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 23 देशों के 34 लेखा परीक्षकों की एक टीम 01 अप्रैल को लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा करेगी।

- टीम के समक्ष विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और उन प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रस्तुति दी जायेगी

आईसीआईएसए, साई (सुप्रीम आडिट इंस्टीट्यूशन) भारत का प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है जो मुख्य रूप से आईएस (इंफारमेशन सिस्टम) ऑडिट और डेटा एनालिटिक्स से संबंधित क्षेत्रों में दुनिया भर में ऑडिटरों की क्षमता निर्माण में काम करता है।

आईसीआईएसए ऑडिट के मानक को बढ़ाने और सार्वजनिक ऑडिट संस्थानों की प्रभावशीलता बढ़ाने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समर्पित है और इसने 149 विभिन्न देशों के 5000 से अधिक ऑडिटरों को प्रशिक्षित किया है। 23 देशों के 34 लेखा परीक्षक विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई जा रही शैक्षणिक उत्कृष्टता की यात्रा और विश्वविद्यालय की वर्तमान शैक्षणिक स्थिति का मार्ग प्रशस्त करने वाली विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए एवं इसके ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थलों के भ्रमण हेतु लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा करेंगे।

इस यात्रा के दौरान, विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और उन प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिनके कारण वर्तमान स्थिति बनी है। प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय द्वारा की गई वित्तीय, प्रशासनिक और लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं का विवरण भी शामिल होगा। प्रेजेंटेशन के बाद अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ विश्वविद्यालय के अधिकारियों की बातचीत होगी।

इसके बाद प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग और पर्यटन अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव टीम को ऐतिहासिक भवनों का दौरा करवाएंगे और उसके बारे में जानकारी देंगे। इसके बाद टीम पुरातत्व संग्रहालय, मानव विज्ञान संग्रहालय, टैगोर पुस्तकालय संग्रहालय, इसके चित्रों, मूर्तियों और दुर्लभ पांडुलिपियों के साथ, भूविज्ञान संग्रहालय और प्राणीशास्त्र विभाग में प्रोफेसर एस सी बॉंध संग्रहालय का दौरा करेगी। इस टीम में बांग्लादेश, भूटान, ब्रूनेई दारुसलम, बुरुंडी, चिली, जॉर्जिया, गुयाना, (भारत), लाओस, लातविया, मलावी, मालदीव, मॉरीशस, मोरोक्को, नेपाल, नाइजर, नाइजीरिया, पेरू, रूस, समोआ, तंजानिया, ट्यूनीशिया और जांबिया के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं।

लविवि फिर शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में शामिल

लखनऊ। लविवि ने 887 भारतीय संस्थानों में 33 वां स्थान प्राप्त किया है, जिसमें आईआईटी, एनआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय और निजी विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। 2023 में लखनऊ विश्वविद्यालय को भारतीय संस्थानों में 46वां स्थान दिया गया था। राज्य वित्त पोषित गैर-तकनीकी विश्वविद्यालयों में, लविवि ने राज्य में शीर्ष स्थान हासिल किया है। 2005 में स्थापित, यूनीरैंक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षा पोर्टल और खोज इंजन है जो 200 देशों में 13,900 से अधिक आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की समीक्षा और रैंकिंग पेश करता है। यूनीरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग एक एल्गोरिदम पर आधारित है जिसमें 3 से निकाले गए 4 निष्पक्ष और स्वतंत्र वेब मेट्रिक्स शामिल हैं। लविवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि विभिन्न वैश्विक शैक्षणिक रैंकिंग में लविवि की निरंतर वृद्धि ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को साबित किया है।

- यूनिरैंक यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 नामक उच्च शैक्षणिक संस्थानों की वैश्विक रैंकिंग में मिला यह स्थान

विभिन्न वेब इंटेलिजेंस स्रोत

न्यूनतम ट्रस्ट फ्लो (55 फीसद) के साथ मैजेस्टिक रेफरिंग डोमेन
सिमिलरवेब ग्लोबलरैंक (35 फीसद)
मोजेज डोमेन प्राधिकरण (5 फीसद)
मैजेस्टिक ट्रस्ट फ्लो (5 फीसद)

TOI PAGE 3

Centralised research facility in LU with PM-USHA funds

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: Lucknow University is poised to transform itself into a leading research institution by establishing a centralised research facility on its campus. This initiative will provide faculty and students with access to cutting-edge machinery, instruments, software, and research infrastructure, all conveniently located on campus. The plan leverages funds from the Pradhan Mantri Uchchatar Shiksha Abhiyan (PM-USHA) program, which will be utilised upon government sanction.

"The lack of on-campus facilities, particularly for advanced scientific equipment, forces our research students, especially those in science fields, to rely on external institutions to complete their work," said Prof Alok Kumar Rai, LU vice-chancellor. "This initiative prioritises strengthening our internal research ecosystem, ultimately reducing dependence on other institutions."

The new facility will be a central hub for research, divided into three distinct sections: life sciences, physical sciences, and technical research centres. All three sections will be housed within the existing ONGC Centre of Advanced Studies, which already boasts some research capabilities.

The Life Sciences Research section will focus on the scientific study of living organisms and their life processes, encompassing a broad spectrum of subjects like genetics, microbiology, botany, and more. At the Physical Sciences Research Centre, research and exploration will be done into the four fundamental branches of physical sciences: astronomy, physics, chemistry, and Earth sciences (including meteorology and geology). Lastly, the Technical Research Centre will foster learning and research on all emerging technologies, including robotics, artificial intelligence, machine learning, and others.

Prof Rai further said, "Beyond the facility itself, we plan to develop a dedicated cluster computing facility to manage all information technology-related research tasks. We also aim to achieve 100% Wi-Fi coverage across the entire campus with the help of these funds."

LU placed at 33 in Uni World ranking

Lucknow: Lucknow University improved its ranking in the Uni World ranking released on Sunday. Last year, LU was ranked 46 while it moved to a higher rank of 33. "LU has been ranked 33rd amongst 887 Indian institutions, which includes prestigious institutions like IITs, NITs, Central Universities and private universities," said LU spokesperson Durgesh Srivastava. Uni World Ranking is the leading international higher education portal and search engine offering reviews and rankings of over 13,900 officially recognized universities and colleges in 200 countries. TNN